सांध्य दैनिक 4PM

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 214 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 13 सितम्बर, 2022

मूल्य ₹ 3/-

यदि आप सफल होना चाहते हैं तो आपको स्वीकार्य सफलता के घिसे-पिटे रास्तों की बजाय नए रास्तों पर चलना चाहिए।

-जॉन डी. रॉकफेलर

जिद...सच की

योगी की राह पर धामी... 8 | राजधानी के बाद गोरखपुर, बनारस... 3 | यूपी को अपराध मुक्त करने का... 7

अब गुजरात में भाजपा 'आप' में सियासी जंग

विधान सभा चुनाव से पहले अब गुजरात में आम आदमी पार्टी और भाजपा में सियासी जंग शुरू हो गयी है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज भाजपा पर प्रदेश में भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी फैलाने का आरोप लगाया तो दूसरी ओर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बिना नाम लिए आप पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि गुजरात की जनता किसी दल या नेता की मुफ्त की घोषणाओं और भ्रामक वादों में नहीं फंसने वाली है।

विधान सभा चुनाव से पहले वार-पलटवार

प्रदेश में हर जगह भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी: केजरीवाल

» आप देगी ईमानदार और भयमुक्त सरकार, सभी सीटों पर लड़ेगी चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात दौरे पर पहुंचे दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने एक बार फिर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गुजरात में भाजपा ने 27 वर्षों तक शासन किया है लेकिन जनता के हितों और मुद्दों पर बात नहीं की। भाजपा ने प्रदेश में हर जगह भ्रष्टाचार व गुंडागर्दी मचा रखी है लेकिन जब इस विधान सभा चुनाव में जनता आम आदमी पार्टी की सरकार चुनेगी तो हम आपको ईमानदार और भयमुक्त शासन देंगे।

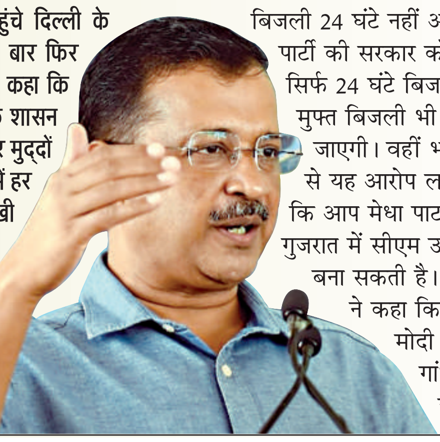

उन्होंने कहा कि इसका उदाहरण दिल्ली और पंजाब जैसे राज्यों में देखा जा सकता है। केंद्र सरकार बिजली देने की बात तो करती है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अपने ही गृह नगर में बिजली 24 घंटे नहीं आ रही है। आम आदमी पार्टी की सरकार को चुनेंगे तो आपको न सिर्फ 24 घंटे बिजली मिलेगी बल्कि, मुफ्त बिजली भी मुहैया कराई जाएगी। वहीं भाजपा की ओर से यह आरोप लगाए जाने पर कि आप मेधा पाटकर को गुजरात में सीएम उम्मीदवार बना सकती है। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा मोदी के बाद सोनिया गांधी को पीएम बनाने जा रही है।

मुफ्त की घोषणाओं में नहीं फंसने वाली जनता: शाह

» डबल इंजन सरकार ने प्रदेश में दी विकास को गति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इशारों में अरविंद केजरीवाल की ओर से गुजरात में की जा रही मुफ्त की घोषणाओं पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि गुजरात की जनता पर मुफ्त की घोषणाओं के झांसे में नहीं आने वाली है। गुजराती काम को जानते हैं, लोगों को जानते हैं, वह किसी तरह के सपने और गुमराह होने वाले नहीं है। किसी नेता एवं राजनीतिक दल के भ्रामक वादों में जनता फंसने वाली नहीं है।

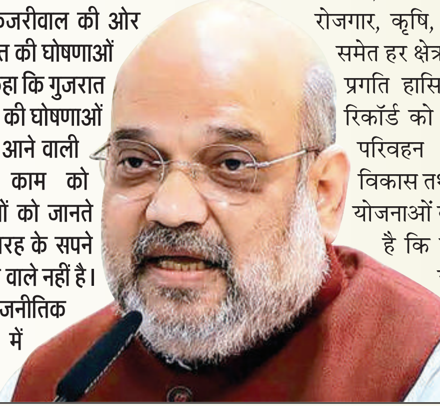

शाह ने आज गुजरात में 10 हजार करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का वर्चुअल उद्घाटन एवं शिलान्यास करने के बाद कहा कि केंद्र एवं गुजरात की डबल इंजन सरकार ने गुजरात के विकास को गति दी है। पानी, बिजली, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि, उद्योग, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश समेत हर क्षेत्र में गुजरात ने एक उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। निवेश के विश्व रिकॉर्ड को बरकरार रखा है। गुजरात में परिवहन सेवा, रेल नेटवर्क, ग्रामीण विकास तथा आर्थिक विकास की विविध योजनाओं की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा है कि राज्य सरकार पूरे मनोयोग से जनता की भलाई के काम कर रही है। राज्य में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया गया है।

तल्खी के बीच अखिलेश ने विधान सभा में शिवपाल के लिए मांगी आगे की सीट

» विधान सभा अध्यक्ष को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव तथा प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया (प्रसपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव के बीच बढ़ी तल्खी के बीच सपा मुखिया ने बड़ा कदम उठाया है। अखिलेश यादव ने 19 सितंबर से होने जा रहे विधानमंडल के मानसून सत्र में चाचा शिवपाल सिंह यादव के लिए आगे की सीट मांगी है।

अखिलेश यादव ने विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना को पत्र लिखकर वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव के लिए विधान सभा में अग्रिम पंक्ति की सीट आरक्षित करने का अनुरोध किया है। शिवपाल यादव चाहते हैं कि विधान सभा में उनको बैठने के लिये पहली पंक्ति में जगह मिले। सपा ने भी उनकी मांग

का समर्थन करते हुए विधान सभा अध्यक्ष से यह मांग मानने का आग्रह किया है। इसके बाद सियासी गलियारों में चर्चा गर्म हो गयी है। माना जा रहा है कि अखिलेश यादव ने अपने और शिवपाल यादव के बीच बढ़ती दूरियों को कम करने के लिए यह पहल की है।

ममता सरकार के खिलाफ प्रदर्शन, पथराव दागे गए आंसू गैस के गोले

भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी समेत कार्यकर्ता, पदाधिकारी हिरासत में

» भ्रष्टाचार के खिलाफ कर रहे थे प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ भाजपा ने आज नबन्ना चलो अभियान का आह्वान किया है। पश्चिम बंगाल में जगह-जगह पुलिस ने नबन्ना चलो अभियान में शामिल होने जा रहे भाजपा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। हावड़ा के संतरागाछी इलाके में भाजपा कार्यकर्ताओं को रोकने और तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने

पानी की बौछारें और आंसू गैस के गोले दागे। वहीं प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया।

रानीगंज रेलवे स्टेशन के बाहर भाजपा कार्यकर्ता और पुलिस के बीच झड़प हुई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया। इसके बाद पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। पुलिस की तरफ से इस अभियान के लिए भाजपा को अनुमति नहीं मिली थी। भाजपा नेता और बंगाल विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी को हिरासत में ले लिया गया है। सुवेंदु ने कहा कि ये शांतिपूर्ण आंदोलन है। ये भ्रष्टाचार और बेरोजगारी के खिलाफ हल्लाबोल है। राहुल सिन्हा और लॉकेट चटर्जी को भी गिरफ्तार किया गया है।

महाकुंभ से पहले नालामुक्त हों गंगा-यमुना : स्वतंत्र देव

» अधिकारियों से सभी छोटे-बड़े नालों की सूची मांगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रयागराज में होने वाले कुंभ में श्रद्धालुओं को स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने प्रयास तेज कर दिए हैं। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि महाकुंभ से पहले गंगा और यमुना को पूरी तरह से नालामुक्त कर दिया जाए। वहीं हर घर नल योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि बुंदेलखंड में यह योजना दिसंबर तक पूरी हो जाए। नमामि गंगे विभाग के अधिकारियों के साथ सोमवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में स्वतंत्रदेव ने कहा कि महाकुंभ लाखों हिंदुओं की आस्था का केंद्र है।

ऐसे में गंगा-यमुना की निर्मलता और अविरलता को बनाए रखना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों से गंगा में मिलने वाली नदियों और उसमें गिरने वाले सभी छोटे-बड़े नालों की सूची मांगी। गंगा और यमुना में गिरने वाले नालों को टैप करने और डायवर्ट करने के काम को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने बिजनौर से बलिया तक गंगा नदी के किनारे जनसहयोग और जनभागीदारी से वृहद स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गंगा नदी के किनारे संचालित सभी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की पल-पल निगरानी की जाए। नदियों में किसी प्रकार की गंदगी न गिरे, इसको सुनिश्चित किया जाए। बैठक में जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद, नमामि गंगे और ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव, जल निगम के प्रबंध निदेशक बलकार सिंह, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक प्रिय रंजन आदि उपस्थित थे।

प्रदेश के विकास पर काम कर रही योगी सरकार

कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि केशव प्रसाद मौर्य के बारे में इनदिनों विपक्ष अनर्गल बयानबाजी कर रहा है, जो कि ठीक नहीं है। केशव बहुत ही समझदार व्यक्ति हैं, वो अनकही बातों पर ध्यान नहीं देते। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि केशव मौर्य का कहना बिल्कुल सही है। सरकार तथा संगठन हो काम तो एक ही करना होता है। दोनों का काम जनता का विकास करना है। सरकार तथा संगठन का काम प्रदेश का विकास करना होता है। जनता का विकास करना प्रदेश का विकास करना और उसी पर लगातार भारतीय जनता पार्टी काम कर रही है।

न्यायालय के फैसले का सम्मान करें : केशव मौर्य

» ज्ञानवापी मामले में डिप्टी सीएम बोले, सत्यम शिवम सुंदरम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने ज्ञानवापी मुद्दे पर वाराणसी जिला कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। प्रयागराज से लखनऊ रवाना होने के पूर्व उन्होंने ट्वीट किया 'सत्यम शिवम सुंदरम'। डिप्टी सीएम ने कहा कि कोर्ट ने काशी विश्वनाथ मां श्रृंगार गौरी माता मंदिर मामले को सुनवाई योग्य माना है। डिप्टी सीएम ने कहा कि सभी लोग न्यायालय के फैसले का सम्मान करें। सभी पक्ष शांति भी बनाए रखें। कहा, जो होगा विधि सम्मत होगा।

कहीं भी विवाद उत्पन्न करने की कोशिश न की जाए। डिप्टी सीएम के अनुसार, जिस विषय पर सुनवाई हो रही है, दोनों पक्ष उस पर खुलकर अपनी बात रख रहे हैं। न्यायालय सभी पहलुओं को विस्तार से सुन और समझ रहा है। आज जो निर्णय आया है, वह इस बात पर है कि मुकदमा सुनवाई योग्य है या नहीं।

बसपा सांसद अंसारी के गैंगस्टर मामले में यूपी सरकार तलब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजीपुर से बसपा सांसद अफजाल अंसारी की गिरोह बंद कानून के तहत कार्यवाही के खिलाफ दाखिल याचिका पर राज्य सरकार से जवाब मांगा है। कोर्ट ने राज्य सरकार को इसके लिए दो हफ्ते का समय दिया है। याचिका की अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति समित गोपाल ने अफजाल अंसारी की याचिका पर दिया है। याची की ओर से अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय ने बहस की। याची की ओर से तर्क दिया गया कि भाजपा विधायक कृष्णानंद राय हत्या केस में वह बरी हो चुका है। इस आधार पर एमपीएमएलए विशेष अदालत में चल रहे गैंगस्टर एक्ट केस को समाप्त करने की अर्जी दी, जो खारिज कर दी गई। हाईकोर्ट में उसे चुनौती दी गई है। पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी और बहनोई एजाजुल के साथ ही 2007 में अफजाल अंसारी के खिलाफ कृष्णानंद राय कह हत्या का दर्ज हुआ था। उसी के आधार पर गैंगस्टर का मुकदमा कायम किया गया है। दलील दी गई सिर्फ एक मुकदमे के आधार पर गैंगस्टर अधिनियम में केस नहीं चलाया जा सकता। याचिका में गिरोह बंद कानून के तहत कार्यवाही को रद किए जाने की मांग की गई है।

दोषी 35 पुलिसकर्मियों के खिलाफ सीबीआई जांच का आदेश

» अपहरण के फर्जी केस में कुर्की की कार्रवाई की थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हाईवे थाना मथुरा में 35 पुलिसकर्मियों और फिरोजाबाद के रसूलपुर थाने में दर्ज प्राथमिकी की जांच सीबीआई को सौंप दी है। कोर्ट ने नौ नवंबर को सीबीआई को जांच की प्रगति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग तथा अनुसूचित जाति जनजाति आयोग के निर्देश पर विशेष जांच टीम ने 35 पुलिस कर्मचारियों को याची सहित मां व भाई के खिलाफ फर्जी केस दर्ज कर फंसाने का दोषी ठहराया है। इसके बावजूद पुलिस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

उल्टे पुलिस ने शिकायत वापस लेने का दबाव बनाने के हर हथकंडे अपनाए। अपहरण के फर्जी केस में कुर्की कार्रवाई की। कोर्ट ने प्रमुख सचिव गृह लखनऊ को फिरोजाबाद के रसूलपुर थाने में दर्ज अपहरण केस सहित अन्य मामले सीबीआई को स्थानांतरित करने का निर्देश दिया है। फिरोजाबाद रसूलपुर केस की विवेचना कर रहे आगरा के विवेचना अधिकारी व एसएसपी आगरा को विवेचना रोक कर रिकॉर्ड तत्काल सीबीआई को सौंपने का निर्देश दिया है। याचिका की सुनवाई नौ नवंबर को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति सुनीत कुमार तथा न्यायमूर्ति सैयद वैज मियां की खंडपीठ ने सुमित कुमार व अन्य की याचिका पर दिया है।

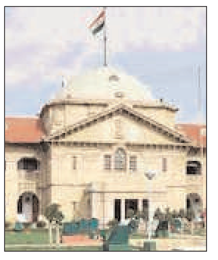

अयोध्या के स्टेडियम निर्माण में अनियमितता न हो : सहगल

» खिलाड़ियों की सुविधा का विशेष ख्याल रखा जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या में निर्माणाधीन डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में जल्द खेल गतिविधियां शुरू होंगी। पहला क्रिकेट मैच डीएम-11 बनाम एसपी-11 के बीच खेला जाएगा। सोमवार को अपर मुख्य सचिव, खेल नवनीत सहगल की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय किया गया। उन्होंने कहा कि स्टेडियम के निर्माण में बताई जा रही कमियों को जल्द दूर किया जाए। खिलाड़ियों की सुविधा का विशेष ख्याल रखा जाए।

बापू भवन सचिवालय स्थित उनके कार्यालय कक्ष में आयोजित बैठक में सहगल ने कहा कि स्टेडियम में खिलाड़ियों के बैठने व ठहरने के लिए अच्छी व्यवस्थाएं की जाएं। क्रिकेट मैच के लिए पूरी तरह से मैदान तैयार किया जाए। स्वीमिंग पूल, बैडमिंटन कोर्ट, हैंडबाल कोर्ट आदि खिलाड़ियों के लिए जल्द प्रारंभ किया जाए। एथलेटिक्स ट्रैक को ठीक कर जल्द खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएं। उन्होंने कहा कि स्टेडियम में खिलाड़ियों की सुविधा के लिए फुट ओवर ब्रिज का भी निर्माण किया जाए। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा, ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं देकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने की है। मालूम हो कि उन्होंने बीते शुक्रवार को निर्माणाधीन स्टेडियम का औचक निरीक्षण किया था। स्टेडियम के निर्माण में मिली कमियों पर नाराजगी जताते हुए उन्हें जल्द दूर करने के कड़े निर्देश दिए थे। बैठक में खेल निदेशक आरपी सिंह भी मौजूद रहे। बता दें कि वरिष्ठ आइएएस अधिकारी नवनीत सहगल ने जबसे अपर मुख्य सचिव खेल की कुर्सी संभाली है तबसे लगातार सभी जिलों में खेल की सुविधाओं की समीक्षा कर रहे हैं। जिम्मेदारी मिलने के तीन दिन के भीतर ही उन्होंने लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम को बड़ा उपहार दे दिया। इसके अलावा भी खेल से जुड़ी सभी गतिविधियों पर उनकी नजर बनी हुई है। इसका सकारात्मक असर यूपी में देखने को मिल सकता है।

बामुलाहिजा
कार्टून : हसन जैदी

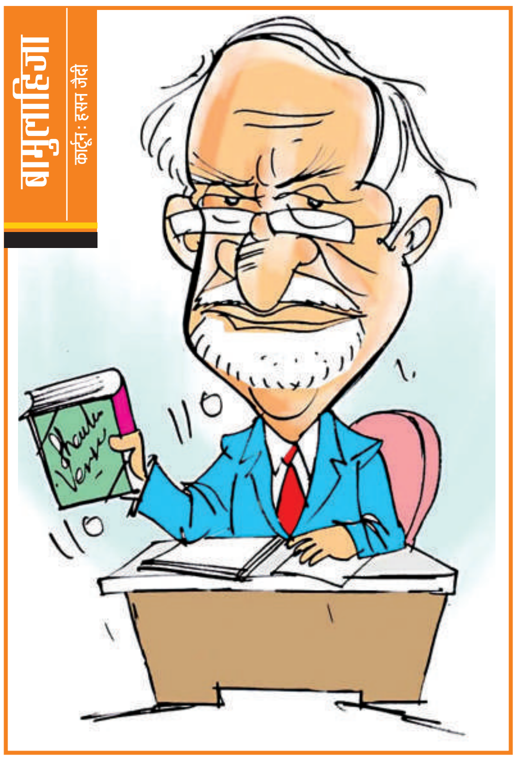

इस्लाम में कुछ वैकल्पिक नहीं, कुरान में जो है वह अनिवार्य : खुर्शीद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक के शैक्षणिक संस्थानों में लंबे समय से जारी हिजाब विवाद को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई सोमवार को एक नए मोड़ पर आ गई है। सोमवार को सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सलमान खुर्शीद और वरिष्ठ अधिवक्ता युसूफ मुच्छला ने दलीलें रखीं। जस्टिस हेमंत गुप्ता और जस्टिस सुधांशु धूलिया की पीठ ने सोमवार को शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब समेत तमाम धार्मिक प्रतीकों और वस्त्रों के पहनने पर लगी पाबंदी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर चुनौती याचिकाओं पर सुनवाई की।

सलमान खुर्शीद ने हिजाब को जायज ठहराते हुए उसकी तुलना हिंदू महिलाओं के घूंघट और सिख समुदाय में पगड़ी से की। उन्होंने कहा कि इस्लाम में जरूरी और गैर-जरूरी का विकल्प नहीं होता है। इस्लाम में कुछ भी बात वैकल्पिक नहीं है। उन्होंने कहा कि कुरान में जो लिखा है वह सब इस्लाम में अनिवार्य है। शीर्ष अदालत इस मामले में बुधवार को भी याचिका पर सुनवाई जारी रखेगी। सुनवाई के दौरान एक अन्य याचिका के लिए पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता सलमान खुर्शीद ने तर्क दिया कि अन्य धर्मों के विपरीत, इस्लाम में अनिवार्य और गैर-अनिवार्य का कोई द्विआधारी नहीं है और कुरान में जो है वह अनिवार्य है। वरिष्ठ अधिवक्ता खुर्शीद ने सुप्रीम कोर्ट को बुर्का, जिलबाब और हिजाब के बीच के अंतर को भी समझाया।

पूर्वांचल और बुंदेलखंड के वोट बैंक पर भाजपा की नजर

राजधानी के बाद गोरखपुर, बनारस और झांसी में भी आईटी सिटी बनाने की तैयारी

» आईटी सिटी बनने के बाद युवाओं को मिलेगा रोजगार, प्रदेश के सभी प्राधिकरणों से मांगा गया प्रस्ताव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ और नोएडा के बाद अब यूपी सरकार गोरखपुर, बनारस और झांसी में आईटी सिटी बनाने की तैयारी कर रही हैं। इससे पूर्वांचल और बुंदेलखंड में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। साथ ही इलाके का आर्थिक विकास होगा। यूपी सरकार ने आईटी सिटी को लेकर नया प्रस्ताव तैयार करने के लिए कहा है। इसमें आईटी पार्क भी बनेग। मौजूदा समय में लखनऊ में एचसीएल आईटी सिटी और टीसीएस के दफ्तर हैं।

आईटी सिटी बनाने के लिए सभी विकास प्राधिकरणों से प्रस्ताव मांगा गया है। इस दौरान दूसरे राज्यों की आईटी पॉलिसी का भी अध्ययन किया जा रहा है। इंडस्ट्री विभाग से जुड़े एक सूत्रों ने बताया कि अगर विकास प्राधिकरण जल्द ही प्रस्ताव नहीं देते तो प्लान बी तैयार रखा गया है। इस स्थिति में यूपी सरकार आईटी सिटी विकसित करने के लिए निवेशकों से सीधे बात करेगी। इसमें उनको यहां निवेश करने के लिए बड़े स्तर पर छूट या सब्सिडी भी दी जा सकती है। आईटी सिटी बनने से आईटी सॉफ्टवेयर का निर्यात बढ़ेगा। पिछले बुंदेलखंड में विकास की रफ्तार को बढ़ाने के लिए आईटी सिटी के लिए झांसी का चयन किया गया है। यहां जगह का भी चयन शुरू हो गया है। जमीन का चयन होने के बाद आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। यूपी में डिफेंस कॉरिडोर बन रहा है, जिसका एक बड़ा हिस्सा बुंदेलखंड में हैं। वहां कई यूनिटें लगा रही हैं। ऐसे में डिफेंस कॉरिडोर के पास आईटी सिटी विकसित होने से टेक्नॉलजी सपोर्ट भी डिफेंस कॉरिडोर में निवेश करने वाली कंपनियों को मिल सकेगा।

यूपी को आईटी हब बनाने में जुटी सरकार

प्रदेश सरकार आईटी सेक्टर में प्रदेश की उपलब्धियों और आईटी सिटी व आईटी पार्क जैसी योजनाओं के जरिये यूपी को उभरते आईटी हब के रूप में पेश करने की तैयारी में जुट गया है। इसके लिए जल्द देश भर के आईटी प्रोफेशनल, अधिकारियों और नामी कंपनियों के प्रतिनिधियों का बड़ा जमावड़ा हो रहा है। इसके बाद सरकार यूपी' की ब्रांडिंग का काम करेगा। अधिकारियों को उम्मीद है कि इससे आईटी सिटी व अन्य परियोजनाओं की ओर आईटी कंपनियों का आकर्षण बढ़ेगा और निवेश के रास्ते खुलेंगे।

इंडस्ट्रियल कॉरिडोर भी बनाया जाएगा

बुंदेलखंड एक्सप्रेस–वे भी सरकार के मंशा को आगे बढ़ाएगा। एक्सप्रेस–वे के किनारे यूपीडा ने इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनाने के लिए जमीन चिह्नित किया है। इससे भी इंडस्ट्री के विकास को रफ्तार मिलेगी। योगी सरकार कंपनियों को बढ़ावा देने के लिए मुनाफे में दस साल तक की छूट देगी। साथ ही इंटरेस्ट सब्सिडी, कैपिटल इंटरेस्ट सब्सिडी की भी छूट मिलेगी।

ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट से पहले जमीन का चयन होगा

आईटी एंड इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के अधिकारियों ने ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट से पहले जमीन चिन्हित करने का फैसला किया है। साथ ही ऐसी कंपनियों से बातचीत कर रही हैं जो प्रदेश में आईटी सिटी लगा सके। ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में इसकी घोषणा हो सकती है।

सपा को झटका देने की जुगत में शिवपाल, लोक सभा चुनाव पर नजर

अखिलेश यादव के सामने मुश्किल खड़ी कर सकते है शिवपाल

सपा से नाता नहीं रखने का किया ऐलान, बना रहे अपनी रणनीति

» असंतुष्टों को जगह देकर सपा में कर सकते हैं सेंधमारी

गीताश्री

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में सपा गठबंधन को मिली करारी शिकस्त के बाद प्रसपा प्रमुख शिवपाल यादव ने अपनी राहें जुदा कर ली है। उन्होंने न केवल गठबंधन से खुद को स्वतंत्र करने का ऐलान कर दिया है बल्कि दोबारा अखिलेश यादव के साथ न जाने की घोषणा भी कर रहे हैं। अब वे लोक सभा चुनाव की रणनीति बनाने में जुट गए हैं और पार्टी के कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर दिया है। माना जा रहा है कि निकाय चुनाव के साथ ही शिवपाल यादव अपनी सधी चाल चलेंगे ताकि लोक सभा चुनाव की सियासी बिसात को मजबूती से बिछा सकें।

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के प्रमुख शिवपाल सिंह यादव और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के बीच तल्खी चरम पर पहुंच चुकी है। शिवपाल के तेवर से साफ है कि सपा मुखिया के साथ अब वह नहीं रहेंगे और अलग चुनाव लड़ेंगे। इतना ही नहीं, प्रसपा पार्टी में जिनको शामिल करेगी या चुनाव के समय जिनका वोट हासिल करेगी, उससे सपा को ही चोट पहुंचेगी। उनके बयानों से साफ हो चुका है कि अब वह किसी भी सूरत में सपा से नाता नहीं रखना चाहते। इसके लिए चाहे कोई भी पहल हो। यह भी स्पष्ट किया कि 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव में वह गठबंधन तो करेंगे लेकिन किससे यह पत्ता चुनाव के छह माह पहले खोलेंगे क्योंकि शिवपाल का दावा है कि 2024 में जो भी सरकार बनेगी उसमें उनकी भागीदारी होगी। ऐसे में समाजवादी पार्टी के सामने कई चुनौतियां हैं। अपने कार्यकर्ताओं के साथ ही मतदाताओं को भी बचाना होगा, क्योंकि प्रसपा की सेंधमारी जितनी तगड़ी होगी उसका झटका सपा को लगेगा।

तो रामविलास पासवान की राह पर चलेंगे शिवपाल

लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष रहे स्व. रामविलास पासवान सियासत के ऐसे खिलाड़ी थे कि केंद्र में किसी की सरकार रहे हो, वह उसमें मंत्री जरूर रहते थे। सियासत में उन्हें मौसम वैज्ञानिक कहा जाता था। वह चुनाव से पहले ही समझ लेते थे कि हवा किस तरफ बह रही है। रामविलास पासवान उन गिने–चुने लोगों में थे जो कभी भी सरकार से बाहर नहीं हुए। संभवतः अब रामविलास पासवान की तर्ज पर ही प्रसपा अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव चुनावी रणनीति अपनाएंगे कि सरकार चाहे जिसकी बने, वह उसमें शामिल रहेंगे।

निकाय चुनाव से दिखने लगेगा असर

निकाय चुनाव कुछ माह बाद ही है। ऐसे में सपा से टिकट लेने वालों की सूची लंबी होगी जिनको टिकट नहीं मिलेगा, वह दूसरे दरवाजे पर दस्तक देंगे। ऐसे में प्रसपा ने अगर ऐसे नाराज कार्यकर्ताओं को टिकट दे दिया तो सपा के लिए मुश्किल बढ़ जाएगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

यूक्रेन संकट पर दुनिया की चुप्पी

> छह महीने से अधिक समय से रूस-यूक्रेन के बीच जंग जारी है। रूसी हमले में यूक्रेन के कई शहर तबाह हो चुके हैं। लाखों लोग पलायन कर चुके हैं। खेती-बाड़ी और उद्योग धंधे चौपट हो चुके हैं। हालात हर दिन बद से बदतर हो रहे हैं लेकिन यूक्रेन की तबाही पर दुनिया चुप्पी साधे है। संयुक्त राष्ट्र, रूस के खिलाफ प्रस्ताव पास कर शांति से बैठ गया है। मानवाधिकार संगठन कहीं नहीं दिख रहे हैं।

छह महीने से अधिक समय से रूस-यूक्रेन के बीच जंग जारी है। रूसी हमले में यूक्रेन के कई शहर तबाह हो चुके हैं। लाखों लोग पलायन कर चुके हैं। खेती-बाड़ी और उद्योग धंधे चौपट हो चुके हैं। हालात हर दिन बद से बदतर हो रहे हैं लेकिन यूक्रेन की तबाही पर दुनिया चुप्पी साधे है। संयुक्त राष्ट्र, रूस के खिलाफ प्रस्ताव पास कर शांति से बैठ गया है। मानवाधिकार संगठन कहीं नहीं दिख रहे हैं। सवाल यह है कि विश्व की महाशक्ति अमेरिका और अन्य विकसित देश रूस-यूक्रेन के बीच शांति की पहल क्यों नहीं कर रहे हैं? क्या नाटो देश यूक्रेन को हथियार बनाकर रूस को बर्बाद करना चाहते हैं? अमेरिका इस मामले में हस्तक्षेप से बच क्यों रहा है? विश्व की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले असर को नजरअंदाज क्यों किया जा रहा है? क्या यूक्रेन संकट दुनिया को एक और आर्थिक मंदी की ओर नहीं ले जाएगा? हमले में मारे गए हजारों लोगों की मौत का जिम्मेदार कौन है? क्या कठोर आर्थिक प्रतिबंध लगाने भर से रूस पीछे हटेगा?

यूक्रेन को नाटो में शामिल करने की अमेरिकी चाहत ने दुनिया के सामने एक गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। क्षेत्रीय अखंडता पर खतरे की दुहाई देकर रूस ने यूक्रेन में रूसी विद्रोहियों के दो प्रांतों दोनेत्स्क और लुहांस्क को न केवल स्वतंत्र देश घोषित कर दिया बल्कि 24 फरवरी को यूक्रेन पर हमला कर दिया। हमलों ने यूक्रेन को लगभग बर्बाद कर दिया है। आज यूक्रेन, अमेरिका की मदद से गैरबराबरी की जंग लड़ रहा है। रूस पर कठोर आर्थिक प्रतिबंध बेअसर साबित हो चुके हैं। अमेरिका रूस को कमजोर करना चाहता है लेकिन खुद सैन्य हस्तक्षेप से बच रहा है। इसकी वजह यूक्रेन में उसका कोई राष्ट्रीय हित नहीं होना है। यूक्रेन न तो उसका पड़ोसी है न वहां पर अमेरिका का कोई सैन्य अड्डा है। यूक्रेन के पास ऐसे तेल भंडार भी नहीं है जो रणनीतिक रूप से अमेरिका के लिए जरूरी हो। वहीं रूस ने तीसरी शक्ति के सैन्य हस्तक्षेप पर परमाणु युद्ध की धमकी भी दे रखी है लेकिन इस जंग ने पूरी दुनिया को आर्थिक मंदी के मुहाने पर पहुंचा दिया है। अमेरिका समेत यूरोपीय देशों में महंगाई आसमान पर पहुंच चुकी है और यूक्रेन व रूस से अनाज की आपूर्ति नहीं होने के कारण खाद्यान्न का संकट उत्पन्न हो गया है। हैरानी की बात यह है कि युद्ध के परिणामों से परेशान अमेरिका और यूरोपीय देश शांति के लिए कोई पहल करते नहीं दिख रहे हैं। चीन और कुछ अन्य देश रूस का साथ दे रहे हैं। यह स्थिति बेहद खतरनाक है। यह तीसरे विश्व युद्ध का कारण भी बन सकता है, लिहाजा शांति स्थापित करने के लिए सभी देशों को मिलकर पहल करनी होगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मोबाइल उपवास है समय की जरूरत

आशुतोष चतुर्वेदी

दुनिया के लगभग सभी मतों में उपवास का महत्वपूर्ण स्थान है। इसका एक वैज्ञानिक पहलू भी है। यह शरीर को स्वस्थ रखता है और अनेक शारीरिक व्याधियों से निजात दिलाता है। उपवास से तन और मन दोनों की शुद्धि होती है। सनातन परंपरा में तो उपवास जीवन पद्धति का अहम हिस्सा है। हालांकि पुरुष प्रधान समाज में ज्यादातर कठिन उपवास महिलाओं के हिस्से में आये हैं, लेकिन हाल में मध्य प्रदेश के रायसेन से एक दिलचस्प खबर आयी कि वहां एक अलग तरह का उपवास रखा गया। वहां सैकड़ों लोगों ने एक दिन के लिए मोबाइल, लैपटॉप सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से दूरी बनाने का संकल्प लिया और अपने उपकरण एक दिन के लिए मंदिर में जमा कर दिये। इसे ई-उपवास या डिजिटल फास्टिंग का नाम दिया गया है। जैन समाज ने पर्युषण के दौरान इसकी शुरुआत की।

इस ई-उपवास में लगभग 600 लोगों ने एक दिन के लिए और 400 लोगों ने 10 दिन के लिए अपने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को हाथ न लगाने का संकल्प लिया। आयोजकों का कहना है कि इसका मकसद लोगों से मोबाइल की लत को छुड़वाना है। जैन समाज की यह पहल सराहनीय है, क्योंकि मोबाइल एक लत व बीमारी बन चुका है। कुछ समय पहले खबर आयी कि राजस्थान के चूरू जिले में एक नवयुवक को मोबाइल की ऐसी लत लगी कि वह मानसिक रोगी बन गया है। जब तबीयत ज्यादा बिगड़ गयी तो परिजन उसे अस्पताल ले गये. उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में तो मोबाइल व इंटरनेट की बढ़ती लत से छुटकारा दिलाने के लिए मोतीलाल नेहरू मंडलीय अस्पताल में एक मोबाइल नशा मुक्ति केंद्र स्थापित किया गया है। देखा गया है कि मोबाइल के लती ज्यादातर चिड़चिड़ेपन और बेचैनी के शिकार हो जाते हैं। अब स्थिति यह है कि चार-पांच साल के बच्चे भी मोबाइल गेम के बिना नहीं रह पा रहे है। डॉक्टरों का कहना है कि मोबाइल की लत इतनी गंभीर है कि यदि किसी बालक के हाथ से मोबाइल छीन लिया जाता है तो वह आक्रामक हो जाता है। कुछ अरसा पहले लखनऊ में एक बेटे ने मोबाइल फोन पर पब्जी खेलने से मना करने पर मां की गोली मार कर हत्या कर दी थी। मुंबई में मोबाइल गेम खेलने से मना करने पर एक 16 वर्षीय बच्चे ने आत्महत्या कर ली।

मोबाइल की लत ने युवकों का सोना-जागना, पढ़ना-लिखना और खान-पान सब प्रभावित कर दिया है। टेक्नोलॉजी के प्रभाव में वे बेगाने से हो जा रहे हैं। इसके लिए कुछ हद तक माता-पिता भी दोषी हैं। ऐसे परिदृश्य में जैन समाज ने ई- उपवास की सराहनीय पहल की है। मुझे लगता है कि अन्य पंथों को भी ऐसे कदम उठाने चाहिए। तकनीक ने पूरा परिदृश्य ही बदल दिया है। दरअसल, मोबाइल फोन की हम सभी को लत लग गयी है। व्हाट्सएप, फेसबुक और ट्विटर तो जीवन की जरूरतों में कब शामिल हो गये, हमें पता ही नहीं चला। यह सही है कि टेक्नोलॉजी की ताकत इतनी है कि उसके प्रभाव से कोई भी मुक्त नहीं रह सकता है। युवकों को तो छोड़िए, हम-आप भी इससे मुक्त नहीं रह सकते हैं लेकिन युवा पीढ़ी को इसने व्यापक रूप से प्रभावित किया है। वे घर के किसी अंधेरे कमरे में हर वक्त मोबाइल में उलझे रहते हैं। अब खेल के मैदानों में आपको गिने-चुने बच्चे ही नजर आयेंगे। एक बात और, मैंने नोटिस की किया कि माता-पिता भी बच्चे से कुछ कहने से डरते हैं कि वह कहीं कुछ कर न ले। बच्चे किशोर, नवयुवक जैसी उम्र की सीढ़ियां चढ़ने के बजाय सीधे वयस्क बन जाते हैं। शारीरिक रूप से भले ही वे वयस्क न हों लेकिन मानसिक रूप से हो जाते हैं। एक गंभीर स्थिति निर्मित होती जा रही है। दिक्कत यह है कि हम सब चाहते हैं कि देश में आधुनिक टेक्नोलॉजी आए लेकिन उसके साथ किस तरह तारतम्य बिठाना है, इस पर विचार नहीं करते। नोकिया वार्षिक मोबाइल ब्रॉडबैंड इंडेक्स रिपोर्ट, 2022 से पता चलता है कि भारत दुनिया में सबसे अधिक डेटा उपयोग करने वाले

देशों में है। भारत में लोग अन्य देशों की तुलना में स्मार्ट फोन पर औसतन ज्यादा समय बिताते हैं। भारत में 2021 में डेटा ट्रैफिक में 31 फीसदी की वृद्धि हुई और औसत मोबाइल डेटा खपत प्रति उपयोगकर्ता प्रति माह 17 जीबी तक पहुंच गयी है। ब्रिटेन में एक दिलचस्प तथ्य भी सामने आया कि यूरोप में मोबाइल इस्तेमाल करने वाले औसतन दिन में 2617 बार अपने फोन स्क्रीन को छूते हैं। मुझे लगता है कि भारत भी इस मामले में बहुत पीछे नहीं होगा। डेलॉइट के 2022 ग्लोबल टीएमटी अध्ययन में कहा गया है कि भारत में 2026 तक 100 करोड़ स्मार्टफोन उपयोगकर्ता होंगे। यह बहुत बड़ी संख्या है। इससे अंदाजा लगता है कि हमारे जीवन में तकनीक का हस्तक्षेप कितना बढ़ गया है। हमें तत्काल नयी परिस्थितियों के विषय में गंभीरता से विचार करना होगा।

पाकिस्तान पर अमेरिकी जनता की कमाई लुटा रहे हैं बाइडन

नीरज कुमार दुबे

पूरी दुनिया में आतंकवाद का सबसे बड़ा स्रोत है पाकिस्तान और पाकिस्तान प्रायोजित इस आतंकवाद का सबसे बड़ा पीड़ित है हिंदुस्तान। यह बात जानने के बावजूद अमेरिका वर्षों तक पाकिस्तान को हथियार और अरबों डॉलर की मदद देता रहा। अमेरिका जानता था कि इस मदद का इस्तेमाल भारत के खिलाफ हो रहा है लेकिन फिर भी अपने रणनीतिक हितों की पूर्ति के लिए वह पाकिस्तान को मदद देता रहा। पाकिस्तान की नकेल कसने की शुरुआत बराक ओबामा ने की थी लेकिन जब डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति बने तो उन्होंने सबसे बड़ा कदम उठाते हुए अमेरिकी जनता की मेहनत की कमाई को पाकिस्तान पर लुटाना बंद कर दिया। जैसे ही पाकिस्तान को वाशिंगटन से डॉलर मिलने बंद हुए वह पूरी तरह चीन की गोद में बैठ गया। देखा जाये तो चीन की मदद से ही पिछले कुछ सालों से पाकिस्तान का हुक्का-पानी चल रहा है।

अब जब चीन ने बार-बार पैसे मांगने पर पाकिस्तान को झिड़कना शुरू किया तो पाकिस्तान को फिर अमेरिका की याद आई। वैसे भी जिस तरह चीन ताइवान पर दबाव बढ़ा रहा है उसको देखते हुए अमेरिका का प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा एशियाई और दक्षिण एशियाई देशों को अपने साथ खड़ा किया जाये। इसके अलावा पाकिस्तान इस समय अपनी धरती से अमेरिका को अफगानिस्तान के खिलाफ ड्रोन संचालित करने दे रहा है जिससे अमेरिका को अपने दुश्मनों का चुन-चुन कर खात्मा करने में मदद मिल रही है। हम आपको याद दिला दें कि मध्य काबुल में 31 जुलाई को एक अमेरिकी ड्रोन से किए गए मिसाइल हमले में अल कायदा का नेता अयमान अल-जवाहिरी मारा गया था। जवाहिरी के मारे जाने के समय भी यही बात सामने आई थी कि पाकिस्तान ने ही अमेरिका को यह जानकारी दी थी कि जवाहिरी किस मकान में ठहरा हुआ है। अब पाकिस्तान जब इतनी मदद कर रहा है तो अमेरिका के बाइडन प्रशासन ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले को पलटते हुए पाकिस्तान को एफ-16 लड़ाकू विमान के बेड़े के रखरखाव के लिए 45 करोड़ डॉलर की वित्तीय सहायता को मंजूरी दे डाली है। पाकिस्तान को यह वित्तीय मदद इसलिए दी जा रही है ताकि वह वर्तमान और भविष्य में आतंकवाद रोधी खतरों से निपट सके।

देखा जाये तो पिछले चार वर्षों में इस्लामाबाद को दी जा रही यह सबसे बड़ी सुरक्षा सहायता है क्योंकि ट्रंप प्रशासन ने 2018 में आतंकवादी सगठनों-अफगान तालिबान तथा हक्कानी नेटवर्क पर कार्रवाई करने में नाकाम रहने पर पाकिस्तान को दी जाने वाली करीब दो अरब डॉलर की वित्तीय सहायता निलंबित कर दी थी लेकिन अब बाइडन प्रशासन ने इस फैसले को पलट दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने इस फैसले के पक्ष में सफाई देते हुए कहा है कि उसने पाकिस्तान को एफ-16 लड़ाकू विमानों के रखरखाव के लिए संभावित विदेश सैन्य बिक्री को मंजूरी देने का निर्णय लिया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का कहना है कि पाकिस्तान का एफ-16 कार्यक्रम अमेरिका-पाकिस्तान वृहद द्विपक्षीय संबंधों का एक अहम हिस्सा है। इससे पाकिस्तान अपने एफ-16 बेड़े को बनाए रखते हुए वर्तमान तथा भविष्य में आतंकवाद रोधी खतरों से निपटने में सक्षम होगा। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने साथ ही कहा है कि हम पाकिस्तान से सभी आतंकवादी समूहों के खिलाफ निरंतर कार्रवाई करने की उम्मीद करते हैं।

अब अमेरिका उम्मीद जता रहा है कि पाकिस्तान आतंकवादी समूहों के खिलाफ कार्रवाई करेगा लेकिन पाकिस्तान तो आतंकवादियों को सुरक्षित पनाह देता है। यही नहीं पाकिस्तान सरकार का प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) समूह के साथ संघर्षविराम भी चल रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर पाकिस्तान कैसे आतंकवादी समूहों के खिलाफ कार्रवाई करेगा? दूसरा अमेरिकी कहता है कि पाकिस्तान एफ-16 विमान का दुरुपयोग नहीं करेगा लेकिन पाकिस्तान इन विमानों का उपयोग भारत के खिलाफ कर चुका है। आपको याद होगा कि 2019 में पुलवामा हमले के बाद जब भारत ने बदला लेने के लिए बालाकोट में एयर स्ट्राइक की थी तब अगले दिन पाकिस्तान के एफ-16 विमान ने भारतीय सीमा में प्रवेश का प्रयास किया था लेकिन सतर्क वायुसेना ने पाकिस्तानी विमान को खदेड़ते हुए एफ-16 को मार गिराया था। तब पाकिस्तान ने कहा था कि उसने एफ-16 विमान का उपयोग ही नहीं किया जिसके बारे में हमारी सेना ने सबूत सहित पूरी जानकारी दी थी। तब भारतीय वायुसेना ने भारतीय क्षेत्र में पाकिस्तान की ओर से गिरायी गयी एमरॉन मिसाइल के टुकड़े मीडिया के सामने पेश किये थे। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के पास जो भी लड़ाकू विमान हैं उसमें से एमरॉन मिसाइल सिर्फ एफ-16 पर ही लग सकती है।

बहरहाल, पूरी उम्मीद है कि अमेरिका से मिलने वाले 45 करोड़ डॉलर बाढ़ से जूझ रही पाकिस्तानी आम जनता को मदद पहुंचाने की बजाय पाकिस्तान के नेताओं की अय्याशी और पाक सरकार तथा सेना की भारत विरोधी गतिविधियों में ही खर्च होंगे। भारत को पाकिस्तान के मंसूबों के प्रति सतर्क रहना होगा।

इन चीजों से मजबूत होंगी बच्चों की हड्डियां

बच्चों के सही विकास के लिए विटामिन डी बहुत जरूरी होता है और हम सभी जानते हैं कि बच्चों को कम उम्र से ही इसे देना शुरू कर देना चाहिए ताकि उनकी हड्डियां और दांत मजबूत बन सकें। विटामिन डी इसके अलावा और भी कई शारीरिक कार्यों में अपना योगदान देता है। पैरेंट्स होने के नाते आप ये समझ सकते हैं कि बच्चों की फिजिकल डेवलपमेंट में विटामिन डी कितना जरूरी है। अगर आप अपने बच्चे के आहार में विटामिन डी को शामिल करना चाहते हैं, तो यहां जान सकते हैं कि दूध और धूप के अलावा और किन चीजों से बच्चे को पर्याप्त मात्रा में विटामिन डी मिल सकता है।

सैल्मन

सैल्मन एक लोकप्रिय फैटी फिश है और विटामिन डी का एक बड़ा स्रोत है। यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर (यूएसडीए) फूड कंपोजिशन डेटाबेस के अनुसार, एक 3.5-औंस (100-ग्राम) फार्म्ड अटलांटिक सैल्मन में 526 IU विटामिन डी होता है। जंगली या फार्म्ड सैल्मन में विटामिन डी की मात्रा में बड़ा अंतर होता है। औसतन, जंगली सैल्मन में अधिक विटामिन डी होता है। विटामिन डी की मात्रा इस बात पर निर्भर करती है कि सैल्मन कहां पकड़ी गई है और वर्ष का समय क्या है।

अंडे की जर्दी

मछली विटामिन डी का एकमात्र स्रोत नहीं है। पूरे अंडे में भी विटामिन डी होता है। एक अंडे में अधिकांश प्रोटीन सफेद रंग में पाया जाता है और वसा, विटामिन और खनिज ज्यादातर जर्दी में पाए जाते हैं। एक बड़े अंडे की जर्दी में 37 IU विटामिन डी होता है।

मशरूम

मशरूम विटामिन डी के उन स्रोतों में से है जो एनीमल बेस्ड नहीं है। मनुष्यों की तरह, यूवी प्रकाश के संपर्क में आने पर मशरूम विटामिन डी को संश्लेषित कर सकते हैं। हालांकि मशरूम विटामिन डी 2 का उत्पादन करते हैं, जबकि जानवर विटामिन डी 3 का उत्पादन करते हैं।

कॉड लिवर ऑयल

कॉड लिवर ऑयल एक लोकप्रिय सप्लीमेंट है। यदि आपके बच्चे को मछली पसंद नहीं है, तो कॉड लिवर ऑयल लेने से पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्व मिल सकते हैं। यह विटामिन डी का एक उत्कृष्ट स्रोत है। विटामिन डी की कमी को दूर करने के लिए इसका इस्तेमाल कई सालों से किया जा रहा है। इसका रिकेट्स, सोरायसिस और तपेदिक के इलाज के हिस्से के रूप में इस्तेमाल होता है।

संतरे का जूस

दुनिया भर में लगभग 65त्न लोग लैक्टोज इनटोलरेंस हैं और लगभग 2त्न को दूध से एलर्जी है। इस कारण से, कुछ कंपनियां संतरे के रस को विटामिन डी और कैल्शियम जैसे अन्य पोषक तत्वों के साथ देती हैं। नाश्ते में एक कप (237 एमएल) फोर्टिफाइड संतरे का रस पीने से 100 आईयू विटामिन डी मिलता है।

गाय का दूध

गाय का दूध कैल्शियम, फॉस्फोरस और राइबोफ्लेविन सहित कई पोषक तत्वों का प्राकृतिक स्रोत है। 1 कप फोर्टिफाइड गाय के दूध में प्रति कप 115 आईयू विटामिन डी (237 एमएल) होता है। बच्चे को गाय का दूध किस उम्र से पिलाना चाहिए, यह भी आपको पता होना चाहिए।

ओट्स

ओट्स में भी विटामिन डी होता है और ओट्स बहुत हेल्दी भी होते हैं। एक कप फोर्टिफाइड गेहूं के चोकर में विटामिन डी का 145 आईयू होता है। एक कप फोर्टिफाइड ओट्स में 85 IU विटामिन डी होता है।

कहानी | कौन है सबसे ताकतवर

एक छोटे से शहर में एक किसान अपनी पत्नी के साथ रहता था। उनके पास बहुत थोड़ी-सी जमीन थी। वे उस पर खेती करके फसल को बाजार में बेचते थे। इससे उन्हें थोड़े-से पैसे मिलते थे। एक बार वे दोनों दीपावली पर घर की सफाई कर रहे थे। तभी उनको लकड़ी के एक पुराने डिब्बे के पीछे से चांदी का एक सिक्का मिला। वे दोनों बहुत खुश हुए। उन्होंने उससे अच्छे बीज और खाद खरीदी। इस बार उनके यहां बहुत अच्छी फसल हुई। अगली दीपावली पर वे फिर सफाई कर रहे थे। तब उन्हें एक और चाँदी का सिक्का मिला। इस बार उन्होंने दो बैल खरीदे, जिससे की खेत जोतने में आसानी हो। बैलों के साथ काम जल्दी और अच्छा हो जाता था। इस बार फसल पहले से भी ज्यादा अच्छी हुई। अब उनके पास काफी पैसे हो गए थे। दीपावली फिर आई। एक बार फिर सफाई करते समय उनको चाँदी का एक सिक्का मिला। इस बार उन्होंने तय किया की एक बकरी खरीदी जाए। सिक्के से उन्होंने एक अच्छी-सी बकरी खरीदी जो कि बढ़िया दूध देती थी। अब वे खुश-खुशी रहते थे। खेती अच्छी होती थी। धीरे-धीरे उन्होंने कुछ और जमीन भी खरीद ली थी। उनके पास बैल थे खेत जोतने के लिए। अब बकरी भी थी जो दूध देती थी। दीपावली फिर आई। सफाई करते समय एक बार फिर उन्हें चाँदी का एक और सिक्का मिला। इस बार उन्होंने उस सिक्के से एक बिल्ली खरीदी। एक सुंदर-सी सफेद बिल्ली। किसान की पत्नी बिल्ली को बहुत प्यार करती थी और रोज उसे दूध पिलाती थी। बिल्ली झट-से सारा दूध पी जाती थी। इसी तरह एक साल निकल गया। दीपावली फिर से आ गई। एक बार फिर उन दोनों ने सफाई की और उन्हें फिर से मिला चांदी का एक सिक्का। उनके पास अब बहुत से पैसे थे। किसी चीज की कोई कमी नहीं नहीं थी। उनका एक सुंदर घर था, उनके पास बैल थे, एक बकरी थी, एक सुंदर बिल्ली भी थी। उन्होंने निश्चय किया किया कि इस सिक्के से वे अपने घर के बगीचे में कांच का एक पुल बनाएँगे। इससे उनका घर और भी सुंदर दिखाई देगा। उन्होंने कांच का एक छोटा-सा पल अपने घर के आगे बनवाया। अब वे ये देखना चाहते थे की पुल मजबूत है या नहीं। इसलिए उन्होंने खुद पुल पर चढ़ने से पहले बाकी सबको पुल के ऊपर से जाने को कहा। पहले बैल चढ़ा, पुल नहीं टुटा। फिर बकरी पुल के ऊपर से गई। पुल नहीं टुटा। लेकिन जैसे ही बिल्ली पुल चढ़ी, पुल टूट गया। पता है क्योकि क्योंकि वह रोज खुशी-खुशी दूध पीती थी और जो रोज दूध पीते हैं, वो सबसे ज्यादा ताकतवर होते हैं-सबसे ज्यादा मजबूत !

हंसना मना है

लड़की ने लड़के से पूछा कि दुनिया में सबसे बड़ा व्यापारी कौन है?लड़के ने तपाक से कहा कि सबसे सख्त व्यापारी होता है पानी पूरी वाला। लडकी- कैसे? लड़का : कोई कितनी भी स्माइल दें, लेकिन बन्दा कभी गिनती नहीं भूलता।

बेटा : पापा अपने मम्मी में ऐसा क्या देखा जो शादी कर ली? पिता (लरजते हुए) : उसके गाल पे एक छोटा सा तिल। बेटा (मायूस होते हुए) : कमाल है पापा, आपने इतनी छोटी सी चीज के लिए इतनी बड़ी मुसीबत मोल ले ली.. अब मां बेटे को खोज रही है बेलन लेकर।

पिता जी (बेटे को ताना मारते हुए) : बेटा, अमेरिका में 15 साल के बच्चे भी अपने पैरों पर खड़े हो जाते हैं। बेटा : लेकिन पापा, भारत में तो एक साल का बच्चा भागने भी लग जाता है। पिता जी समझ नहीं पा रहे... पिटाई कहां से शुरू करें...।

8 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

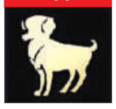

आपकी ऊर्जा का स्तर ऊंचा रहेगा। आपको अपने अटके कामों को पूरा करने में इसका इस्तेमाल करना चाहिए। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें।

वृषभ

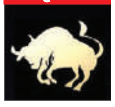

आज आपका दिन बहुत बढ़िया रहेगा। धन लाभ का योग है। आपको पारिवारिक जीवन में सुख और संतोष प्राप्त होगा। इस राशि के छात्रों का आज पढ़ाई में मन लगेगा। करियर में कुछ बदलाव देखने को मिलेगा।

मिथुन

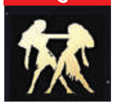

कामकाज में वांछित गुणात्मक परिवर्तन देखने को मिलेगा। पैसा कमाने की कोशिश में सफलता मिल सकती है। कोई पार्ट-टाइम काम भी आपको मिल सकता है। एक्स्ट्रा काम में किसी की मदद मिल सकती है।

कर्क

आज उन कामों को जरूर करें, जिससे आपको सुकून मिलता हो। कार्यक्षेत्र में इजाफे की उम्मीद सामान्य रहेगी। किसी काम के सिलसिले में आपको भाग-दौड़ करनी पड़ सकती है, जिससे थोड़ा तनाव बढ़ सकता है।

सिंह

बेरोजगारों को रोजगार मिल सकता है। किसी खूबसूरत याद के कारण आपके और आपके जीवनसाथी के बीच की अनबन रुक सकती है। छोटी-छोटी बातों पर भी आपका मूड खराब हो सकता है।

कन्या

आज आपके पास अपनी सेहत और लुक्स से जुड़ी चीजों को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाइयां हल हो जाएंगी। आपका लापरवाह रवैया आपके माता-पिता को दु:खी कर सकता है।

तुला

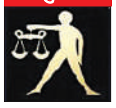

आज कामकाज आसानी से होगा। पूरी सफलता के साथ आप काम को निपटा लेंगे। लवमेट के साथ आज आपकी शादी की बात हो सकती है। दूसरों की मदद के लिए कुछ त्याग करना पड़ेगा।

वृश्चिक

आज के दिन अधिकांश समय खरीदारी और दूसरी गतिविधियों में जाएगा। अगर आप अनुभवी लोगों की राय लेंगे और अपने काम में नई सोच इस्तेमाल करेंगे, तो लाभ मिलेगा।

धनु

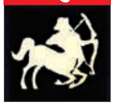

तनाव से बचने के लिए अपना कीमती वक्त बच्चों के साथ गुजारें। आप बच्चों की उपचार करने की शक्ति महसूस करेंगे। वे आध्यात्मिक तौर पर धरती पर सबसे ज्यादा ताकतवर और भावनात्मक लोग हैं।

मकर

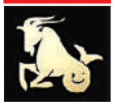

आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। ऑफिस में किसी काम को पूरा करने पर बॉस से आपको गिफ्ट मिल सकता है। आपको दूसरों की मदद करने के कुछ मौके मिलेंगे, मौकों को हाथ से न जाने दें।

कुम्भ

आज पैसों के लेनदेन के लिए सावधान रहें। पुराने मतभेद आज परिचित मित्रों के सहयोग से हल हो सकते हैं। शांत दिमाग से अगर आप अपनी समस्या का समाधान ढूंढने का प्रयास करेंगे तो आपको सफलता जरूर मिलेगी।

मीन

आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आज उन कामों को जरूर करें, जिससे आपको सुकून मिलता हो। कार्यक्षेत्र में इजाफे की उम्मीद सामान्य रहेगी। भाग-दौड़ करनी पड़ सकती है, जिससे थोड़ा तनाव बढ़ सकता है।

बॉलीवुड | मन की बात

अभी तक नहीं सुलझी सोनाली फोगाट के मौत की गुत्थी

बीजेपी नेता और एक्ट्रेस सोनाली फोगाट के मौत की गुत्थी अभी तक नहीं सुलझी है। इसी बीच खबर आ रही है कि उनकी आखिरी फिल्म भी जल्द ही रिलीज होने वाली है। फिल्म का नाम प्रेरणा है और इसके डायरेक्टर नरेश ढांडा, जिन्होंने इस फिल्म में फोगाट के ससुर का किरदार निभाया है, ने मीडिया को बताया कि यह काफी मोटिवेशनल फिल्म है। न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में डायरेक्टर नरेश ढांडा ने बताया कि सोनाली फोगाट के लीड रोल वाली फिल्म का टाइटल प्रेरणा है। यह एक मोटिवेशन देने वाली फिल्म है। इसमें बताया गया कि है कि कैसे सोनाली फोगाट की किरदार प्रेरणा छात्रों को यह बताती है कि वह जिंदगी में कभी भी अपना हौसला और उम्मीद न खोएं, हमेशा आगे बढ़ते रहें। बता दें कि 43 साल की सोनाली फोगाट की मौत पिछले दिनों गोवा में हो गई। अगस्त लास्ट में वो उनके निधन की खबर आई, जिसके बाद उनकी मौत की गुत्थी लगातार उलझती जा रही है। इसी बीच हाल ही में उनकी फिल्म प्रेरणा का पोस्टर रिलीज किया गया था। सोनीला की बेटी यशोधरा ने फिल्म का पोस्टर जारी किया। हालांकि फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान अभी नहीं किया गया है। नरेश ढांडा ने साथ में यह भी बताया कि वो लोग अब दिवंगत सोनाली फोगाट की बेटी के साथ एक गाना शूट करना चाहते हैं। उन्होंने कहा फिल्म रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है। हम उनकी बेटी के साथ एक गाना शूट करना चाहते हैं जो कि फिल्म के अंत में दिखाया जाएगा और दिवंगत एक्ट्रेस के लिए एक ट्रिब्यूट होगा। उन्होंने आगे कहा कि सोनाली फोगाट की जिंदगी भी एक फिल्म जैसी रही है। जिस तरह से वह एक गांव से आई और फिर बाद में बिग बॉस, टीवी और फिल्मों का सफर तय किया वह शानदार है।

हंसल मेहता ने ब्रह्मास्त्र का मॉर्निंग शो देखने के बाद शेयर किया है अपना रिव्यू

विदेशों में भी चल रहा रणबीर-आलिया का जादू

हंसल मेहता ने ब्रह्मास्त्र का मॉर्निंग शो देखने के बाद ट्विटर पर अपना रिव्यू शेयर किया है। हंसल मेहता ने ट्वीट कर बताया कि उन्होंने फिल्म को बहुत एंजॉय किया और मल्टीप्लेक्स के बाहर लंबी कतारें देखकर उन्हें बहुत खुशी मिली। साथ ही फिल्ममेकर ने रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, करण जौहर और अयान मुखर्जी की तारीफ करते हुए फिल्म के हिट होने की कामना भी की है। हंसल मेहता ने लिखा कि मुझे ब्रह्मास्त्र सच में बहुत पसंद आई। लास्ट नाइट मुझे शो के लिए टिकट नहीं मिली थी, इसलिए मॉर्निंग शो में मैं फिल्म देखने गया। वहां सबसे ज्यादा मुझे जो पसंद आया वो ये कि मॉर्निंग शो भी लगभग 60-70 परसेंट फुल थे। इसके बाद वाले शोज के लिए भी मल्टीप्लेक्स में लंबी कतारें लगी हुई थीं। फिल्म का दूसरा पार्ट बहुत मजेदार और अच्छा होने वाला है। हंसल मेहता ने फिल्म की तारीफ करते हुए लिखा कि अयान मुखर्जी, करण जौहर और नमित मल्होत्रा के पैशन और प्रिजरवेंस के लिए मेरे दिल में बहुत सम्मान है। साथ ही रणबीर कपूर और आलिया भट्ट ने भी शानदार काम किया है। मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा करेगी। ब्रह्मास्त्र 9 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म का ओपनिंग वर्ल्डवाइड कलेक्शन लगभग 75 करोड़ रुपए रहा। यह कोविड के बाद से किसी भी बॉलीवुड फिल्म के लिए सबसे अच्छी ओपनिंग रही है। इस फिल्म में रणबीर और आलिया के अलावा शाहरुख खान, अमिताभ बच्चन, नागार्जुन और मौनी रॉय भी लीड रोल में हैं। बता दें कि कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 2 के बाद रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की अयान मुखर्जी निर्देशित फिल्म ब्रह्मास्त्र सफलता की नई इबारत लिख रही है। फिल्म ने भारत में जहां सौ करोड़ रूपये का आंकड़ा पार कर दिया है, वहीं विदेशों में भी ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। फिल्म का पहला वीकेंड शानदार रहा है। रिलीज के तीसरे दिन विदेशों में फिल्म के कलेक्शन में शानदार इजाफा हुआ है। आंकड़े देखकर कहा जा सकता है कि रणबीर-आलिया का जादू न सिर्फ भारत, बल्कि विदेशों में भी चल रहा है।

बॉलीवुड | मसाला

बिग बॉस के नए सीजन का प्रोमो जारी

टेलीविजन का सबसे चर्चित और विवादित रियलिटी शो बिग बॉस हमेशा से ही दर्शकों का पसंदीदा शो रहा है। शो के 15 सीजन बीत चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद शो की लोकप्रियता पहले की तरह ही कायम है। बिग बॉस 15 के खत्म होने के बाद से ही फैंस बेसब्री से इस के अगले सीजन का इंतजार कर रहे थे। ऐसे में अब बिग बॉस 16 का इंतजार कर रहे फैंस के लिए शो से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। हाल ही में कलर्स चैनल ने शो का प्रोमो जारी कर दिया है। जारी हुए बिग बॉस के इस प्रोमो में कई चौंकाने वाले खुलासे भी हुए हैं। कुछ देर पहले ही कलर्स टीवी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर बिग बॉस 16 का पहला प्रोमो जारी किया है। प्रोमो वीडियो की शुरुआत में शो के बीते सीजन की झलकियां देखने को मिल रही हैं। वहीं शो के होस्ट सलमान खान कहते नजर आ रहे हैं कि 15 सालों से बिग बॉस सब का गेम देख रहे हैं, लेकिन इस बार वह अपना गेम दिखाएंगे। इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, इन 15 सालों में सबने अपना अपना गेम खेला, लेकिन अब बारी है बिग बॉस के खेलने की। देखिए बिग बॉस 16 जल्द ही सिर्फ कलर्स पर। हाल ही में सामने आए इस प्रोमो वीडियो को देख फैंस की धड़कनें तेज हो गई है। साथ ही मेकर्स द्वारा किए गए इस चौंकाने वाले खुलासे के बाद से ही सभी की उत्सुकता भी काफी बढ़ गई है। प्रोमो वीडियो और कैप्शन को देख ऐसा लग रहा है कि इस बार शो में खुद बिग बॉस नजर आने वाले हैं, जो बीते 15 सीजन से केवल सभी को सुनाई दे रहे थे। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि बिग बॉस का यह नया सीजन काफी दिलचस्प और रहस्यों से भरा होने वाला है. जिसे देख दर्शकों का भरपूर मनोरंजन होगा। बिग बॉस 16 के एलान के बाद से ही हर कोई यह जानने को उत्सुक है कि शो के नए सीजन में कौन से कलाकार बतौर कंटेस्टेंट्स नजर आ सकते हैं।

अजब-गजब | ये है दुनिया का सबसे अद्भुत मंदिर

तेल से नहीं, पानी से जलता है दीपक

हमारे देश के हर शहर, कस्बा और गांव में आपको कई मंदिर देखने को मिल जाएंगे। इन मंदिरों में से कुछ मंदिर तो प्राचीन काल के है। वहीं कुछ मंदिरों का निर्माण अब भी किया जा रहा है। इनमें से कुछ मंदिर तो ऐसे है जिन्हें चमत्कारी मंदिर माना जाता है इसलिए इन मंदिरों में हर रोज सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु भगवान के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। आज हम आपको एक ऐसे ही मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे इसलिए चमत्कारी माना जाता है क्योंकि इस मंदिर में भगवान की आरती के लिए जलाया जाने वाला दिया तेल से नहीं बल्कि पानी से जलता है।

मध्य प्रदेश में है ये चमत्कारी मंदिर

दरअसल, हम बात कर रहे हैं मध्य प्रदेश के शाजापुर में काली सिंध नहीं के तट पर स्थित गड़ियाघाट माता मंदिर के बारे में। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि इस मंदिर में जलने वाले दिए की ज्योति तेल से नहीं बल्कि पानी से जलती है। बताया जाता है कि इस मंदिर के दिए में घी या तेल इस्तेमाल नहीं किया जाता। बल्कि पानी डालकर भगवान के सामने दिया जलाया जाता है। उसके बाद दिया पानी से ही जलने लगता है।

पिछले पांच साल से पानी से जल रहा दिया

बताया जाता है कि इस मंदिर में जलने वाला दिया पिछले पांच साल से बिना तेल के जल रहा है। ये दिया पानी से ही निरंतर जल रहा है। बता दे कि इस दिए का पानी जैसे ही समाप्त होने लगता है। मंदिर का पुजारी काली सिंध नदी से पानी भरकर इस दिए में डाल देता है। बताया जाता है कि दीये में पानी डालते ही वह काले चिपचिपे तरल पदार्थ में बदल जाता है और उसके बाद दीपक फिर से जलने लगता है।

चमत्कार देखने के लिए आते है हजारों लोग

बता दें कि इस मंदिर में होने वाले इस चमत्कार को देखने के लिए रोजाना हजारों लोग यहां पहुंचते हैं। उसके बाद वह मंदिर में श्रद्धाभाव से अपना सिर झुकाते हैं। मंदिर के पुजारी के मुताबिक, इस मंदिर में बहुत समय पहले तेल का दीपक जला करता था, लेकिन मंदिर के पुजारी को माता ने सपने में पानी से दिया जलाने को कहा। उसके बाद पुजारी ने सपने में बताए मुताबिक ही मंदिर के दिए को तेल की बजाए पानी से चलाना शुरू कर दिया। उसके बाद ये सिलसिला शुरु हो गया।

आठ दशक से लोगों के लिए पहेली बनी हुई है ये परछाईं, कोई नहीं जान पाया इसका रहस्य

साल 1945 में अमेरिकी सेना ने जापान के हिरोशिमा और नागाशाकी शहरों पर परमाणु बम गिराए थे। इस हमले में लाखों लोगों की जान चली गई और तमाम लोग अपाहिज हो गए। सबसे पहले अमेरिका ने हिरोशिमा पर परमाणु बम गिराए थे। जहां आज भी इंसान जैसी दिखने वाली एक परछाई नजर आती है, जो पिछले 75 साल से इसी तरह से दिखाई दे रही है। इसका रहस्य आजतक कोई नहीं जान पाया। इस परछाई को द हिरोशिमा स्टेप्स शैडो या शैडोज ऑफ हिरोशिमा के नाम से जाना जाता है। बता दें कि द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान जब हिरोशिमा पर परमाणु हमला हुआ था, तो लाखों लोग एक झटके में मौत के मुंह में समा गए। परछाई वाली ये तस्वीर भी धमाके वाली जगह से 850 फीट की दूरी पर खींची गई थी, जहां कोई व्यक्ति बैठा हुआ था। कहा जाता है कि परमाणु बम की अथाह ताकत ने वह व्यक्ति गायब हो गया। लेकिन उसकी परछाई को परमाणु बम भी मिटा नहीं सका। इस छाया की वास्तविकता की कभी पहचान नहीं हो पाई कि वो व्यक्ति कौन था, जो वहां पर बैठा हुआ था। यह अब तक रहस्य ही बना हुआ है।क अनुमान के मुताबिक, हिरोशिमा परमाणु विस्फोट में लगभग एक लाख 40 हजार लोगों की जान गई थी। जब विस्फोट हुआ तो उसमें से भयंकर ऊर्जा निकली थी और कहते हैं कि उसकी गर्मी की वजह से ही करीब 60 हजार से 80 हजार लोग मारे गए। जबकि बाद में परमाणु विकिरण संबंधी बीमारियों के चलते भी हजारों लोगों की मौत हो गई। बता दें कि हिरोशिमा पर गिराए गए परमाणु बम का नाम लिटल ब्वॉय था, जिसका वजन करीब 4400 किलोग्राम था। कहते है कि इस बम के फटने से जमीनी स्तर पर लगभग 4,000 डिग्री सेल्सियस तक की गर्मी पैदा हुई। जब इंसान 50 से 55 डिग्री सेल्सियस तक की गर्मी बर्दाश्त नहीं कर पाता, तो ऐसे में 4,000 डिग्री सेल्सियस गर्मी को वो कैसे बर्दाश्त करते। लोग इस गर्मी से जलकर राख हो गए।

यूपी को अपराध मुक्त करने का भाजपा सरकार का दावा खोखला : अखिलेश

» सत्ता संरक्षित अपराधियों पर पुलिस का नहीं खौफ
» बहन-बेटियां नहीं सुरक्षित दलितों और पिछड़ों का हो रहा उत्पीड़न

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश अपराध प्रदेश बन गया है। उत्तर प्रदेश में अपराधिक घटनाओं की बाढ़ आ गई है लेकिन जीरो टॉलरेंस वाली भाजपा सरकार अपराधमुक्त होने का ढोल पीटकर खुद की वाहवाही करने में मगन है। महिलाएं, दलित और पिछड़े सताए जा रहे हैं। बच्चियों की जिंदगी से अमानवीय खिलवाड़ विचलित करने वाला है। सत्ता संरक्षित अपराधियों में पुलिस प्रशासन का खौफ नहीं रह गया है। अपराधी पुलिस पर भी हमलावर हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा राज में जातीय संरक्षण से भी अपराध बढ़ रहे हैं। अलीगढ़ में दलित परिवार की बेटियां समुदाय विशेष के लोगों द्वारा छेड़खानी से तंग आकर पलायन करने को मजबूर हैं। पीलीभीत में कक्षा 12 की छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना पर पुलिस की संवेदनहीनता की हद यह थी कि थाने में पीड़ित परिवार को नौ घंटे बिठाए रखा। जहांगीराबाद में चारा लेने गई नाबालिग किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म हुआ। एक 14 साल के लड़के के बड़े भाई का हत्यारोपी सीएम हेल्पलाइन में कार्यरत बताया जाता है। जिस दिन मुख्यमंत्री लखीमपुर खीरी के दौरे पर थे उसी दिन वहां दलित बालिका के साथ गैंगरेप किया गया। प्रदेश में कानून व्यवस्था के सभी दावे खोखले साबित हो चुके हैं। भाजपाई सत्ता के नशे में चूर हैं। भाजपा राज में महिलायें सुरक्षित नहीं हैं। प्रदेश की विदेशों में बदनामी हो रही है।

सपा का थामा दामन

बसपा के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता सोमवार को सपा में शामिल हुए। सपा में शामिल होने वालों में उस्मान चौधरी, वर्तमान बसपा सभासद, खजान सिंह अध्यक्ष मूढ़ा उद्योग, शेर सिंह कर्दम प्रबंधक डॉ. आंबेडकर उत्थान समिति, अशोक कुमार (फौजी) जिला सचिव किसान मोर्चा भारतीय किसान यूनियन, अरविन्द कुमार एडवोकेट बसपा नगर कार्यकारिणी सदस्य, बादल सिंह आजाद युवा मोर्चा बसपा कार्यकारिणी सदस्य, शहजाद चौधरी सदस्य युवजन बसपा प्रमुख हैं।

राजद को झटका, पूर्व प्रदेश महासचिव अजित भाजपा में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» नवादा में अच्छी पकड़ हैं अजीत की

पटना। बिहार में अकेली पड़ी भाजपा ने लालू यादव और तेजस्वी यादव की पार्टी राजद को झटका दिया है। सोमवार को राजद के पूर्व प्रदेश महासचिव अजीत यादव अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल ने अजीत को पार्टी की सदस्यता दिलाई। जायसवाल ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों का शामिल होना पार्टी की लोकप्रियता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि नवादा से बड़ी संख्या में राजद के कार्यकर्ता का भाजपा में शामिल होना यह साबित करता है कि लालू और तेजस्वी यादव से लोगों का मोहभंग हो गया है। अजीत के भाजपा में शामिल होने से संगठन को मजबूती मिलेगी। अजीत यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि बेमेल गठबंधन के कारण बिहार की जनता रुष्ट है। नीतीश कुमार ने जनादेश का अपमान किया है। इस अपमान का बदला बिहार की जनता अवश्य लेगी।

राजस्थान कांग्रेस में खींचतान, फिर उठी पायलट को सीएम बनाने की मांग

» प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष ने कहा, जनता ने पायलट को देखकर दिया था वोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में सीएम अशोक गहलोत व पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट खेमों के बीच खींचतान चरम पर पहुंच गई है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष राजेंद्र चौधरी ने सोमवार को कहा कि पायलट को मुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए। प्रदेश की जनता और कांग्रेस कार्यकर्ता पायलट को सीएम बनाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि लोगों ने पिछले विधान सभा चुनाव में पायलट को देखकर ही वोट दिया था। लोग कहते हैं कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को समझाइये हमने पायलट के कारण वोट दिए थे। लोग ठगे गए हैं। हम जनभावना को समझकर उसके अनुसार काम नहीं करेंगे तो परिणाम कैसे बेहतर आएंगे। जनभावना अशोक गहलोत को हटाकर पायलट को सीएम बनाने की है। हमें लोगों की भावना की कद्र करनी चाहिए। जनभावना के अनुसार फैसले नहीं करने पर नुकसान ही होता है। पहले हमारी 21 विधान सभा सीटें थी। पायलट ने मेहनत कर 100 सीटों तक पहुंचाया। गहलोत सरकार बनने के बाद कांग्रेस सभी 25 लोक सभा सीटें हार गई।

मंत्री की सभा में फेंके गए जूते-चप्पल

राजस्थान सरकार में राज्यमंत्री अशोक चांदना की सभा में जमकर जूते चप्पल चले। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में कुछ लोग सचिन पायलट को लेकर नारे लगाते हुए भी नजर आ रहे हैं। इतना ही नहीं कुछ लोग जूते-चप्पल भी उछाल रहे हैं। ये घटना पुष्कर की बताई जा रही है। राजस्थान के युवा मामले और खेल राज्य मंत्री अशोक चांदना पुष्कर में गुर्जर नेता कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की अस्थि विसर्जन के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे थे। जब अशोक चांदना अपना भाषण देने पहुंचे तो उन पर जूते फेंके गए और सचिन पायलट जिंदाबाद के नारे लगाए गए।

गुजरात में आप की लोकप्रियता से घबराई भाजपा : संजय सिंह

» अहमदाबाद के पार्टी कार्यालय में पुलिस की छापेमारी पर भड़के सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप के अहमदाबाद ऑफिस पर गुजरात पुलिस द्वारा की गई छापेमारी को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने भाजपा पर निशाना साधा है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि भाजपा की गुजरात पुलिस ने आप के अहमदाबाद आफिस पर रविवार को रेड करने के बाद इससे इंकार कर दिया था लेकिन सोमवार को फिर छापा पड़ा है।

उन्होंने कहा कि गुजरात में आप कार्यालय पर छापेमारी का एकमात्र कारण ताजा सर्वे में आप का दूसरे नंबर की पार्टी बनकर उभरना है। आप की लोकप्रियता गुजरात में तेजी से बढ़ रही है। उस हिसाब से आप बहुत जल्द नंबर एक पार्टी बन जाएगी। उन्होंने कहा कि सीएम केजरीवाल की लोकप्रियता से घबराकर भाजपा फर्जी आरोप लगाकर आप का उत्पीड़न कर रही है। गुजरात की जनता चुनाव में इसका सूद समेत हिसाब लेगी। वहीं आप नेता आतिशी ने कहा कि सीबीआई-ईडी की तरह गुजरात पुलिस ने आम आदमी पार्टी को क्लीन चिट दी है। गैरकानूनी तरीके से अहमदाबाद के आप कार्यालय में की गई रेड में भी कुछ नहीं मिला।

बीटीपी ने छोड़ा साथ

अहमदाबाद। गुजरात में विधान सभा चुनाव की तैयारियों में जुटी आम आदमी पार्टी (आप) को बड़ा झटका लगा है। करीब चार महीने पहले आप के साथ गठबंधन का ऐलान करने वाली भारतीय ट्राइबल पार्टी (बीटीपी) ने अब गठबंधन तोड़ने की घोषणा कर दी है। आदिवासी इलाकों में अच्छा प्रभाव रखने वाली पार्टी ने ऐसे समय पर इसकी घोषणा की है जब आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल गुजरात में ही हैं। बीटीपी नेता छोटूभाई वसावा ने खुद आप से गठबंधन तोड़ने का ऐलान किया तो यह भी साफ किया कि वह भाजपा के साथ नहीं जा रहे हैं। बीटीपी ने गठबंधन तोड़ते हुए कहा है कि आप के साथ गठबंधन जारी रहने पर उसके संगठन को नुकसान हो सकता था। कहा गया है कि पार्टी की छवि खराब हो रही थी और उनकी पार्टी को तोड़ने का भी प्रयास किया जा रहा था। विधान सभा चुनाव अकेले लड़ने की घोषणा करते हुए छोटूभाई वसावा ने कहा, देश में स्थिति बहुत खराब है और हम किसी टोपीवाले से नहीं जुड़ना चाहते हैं, चाहे वह केसरिया हो या झाड़ू निशान के साथ सफेद टोपी। ये सभी एक जैसे हैं। यह देश पगड़ी पहनने वालों का है और आदिवासियों के मुद्दों को सभी दलों ने दरकिनार किया है। वसावा ने आरोप लगाया है कि आप की ओर से उसके नेताओं को तोड़ने का प्रयास किया गया। उनकी पार्टी अकेले ही विधानसभा चुनाव लड़ेगी।

24 में कहीं गायब न हो जाएं मुख्य मुद्दे!

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। ज्ञानवापी के फैसले ने क्या 2024 के चुनाव की नींव रख दी है, जिस पर हिंदू-मुसलमान की दीवार खड़ी करेंगे राजनेता? क्या होगा इस फैसले का असर? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार डॉ. राकेश पाठक, डॉ. अनिल जयहिंद, सैयद कासिम, प्रो. लक्ष्मण यादव और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

सैयद कासिम ने कहा कि इस मामले में जाना ही नहीं चाहिए था। मेरा अपना नजरिया है कि महंगाई, बेरोजगारी पर बात की जाए पर उस पर नहीं होगी। मुझे नहीं लगता कि 24 में इसका कोई फायदा होगा। डॉ. अनिल जयहिंद ने कहा कि अगर शिवभक्त है, तो पवित्र कैलाश तो चीन के कब्जे में है। उसके लिए अभियान चलाएं। डॉ. राकेश पाठक ने कहा कि चीन के कब्जे वाले कैलाश पर्वत की बात मत करिए क्योंकि ऐसे जोखिम भरे काम मत सौंपियें उन्हें जो वे कर नहीं पाएं। चीन का उच्चारण भी हमारे पीएम नहीं करते। ज्ञानवापी मामले में देखा जाए तो आज का फैसला अंतिम फैसला नहीं है। फौरी मुकदमा है, चलेगा। एक विचारधारा के लोग तिल का ताड़ बना रहे तो 24 में यही मुद्दे होंगे। मुख्य मुद्दे गायब हो जाएंगे। प्रो. लक्ष्मण यादव ने कहा कि सिनेमा हिट हो गया तो इसका ये मतलब नहीं कि वहीं फ्लेवर ही चलेगा। अभी तो डायरेक्टर उसके, हीरो उसके, प्रोड्यूसर उसके, सब उसी के है पर असल बात तो ये हैं कि तय तो दर्शक करेंगे कि सच क्या है। ये मुल्क के लिए चुनौती तो है। मुल्क के लोग वैसा नहीं चाहते, जैसा आज देश बन रहा है।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

योगी की राह पर धामी सरकार, उत्तराखंड में भी मदरसों का होगा सर्वे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तराखंड में मदरसों की गतिविधियों का सर्वे किया जाएगा। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने इस मामले में बड़ा बयान जारी करते हुए कहा कि सभी मदरसों पर कड़ी नजर रखते हुए सर्वे की कार्रवाई की जाएगी। चिंता जताते हुए कहा कि इन्हें लेकर लगातार शिकायतें आ रही हैं। ऐसे में इनकी जांच कराई जानी बहुत जरूरी हो गई है।

सीएम धामी ने सचिवालय में मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में ये बातें कहीं। कहा कि उत्तराखंड में मदरसों के कामकाज, गतिविधियों को लेकर लगातार शिकायतें आ रही हैं। इन शिकायतों को गंभीरता से लिया जा रहा है। इसके लिए सभी मदरसों की जांच होगी। यूपी की तर्ज पर सभी मदरसों का सर्वे किया जाएगा। ऐसे में उत्तराखंड में भी मदरसों का सर्वे जरूरी हो गया है। इसके लिए जांच प्रक्रिया शुरू की जाएगी। बता दें कि मदरसों पर सीएम के बयान से ठीक एक दिन पहले सोमवार को भाजपा के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता एवं उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के नवनियुक्त अध्यक्ष शादाब शम्स ने कहा है कि कलियर इलाके के कुछ होटलों और ढाबों में ड्रग्स, सेक्स रैकेट और मानव तस्करी हो रही है। लोगों के सहयोग से इनका सफाया किया जाएगा। शम्स ने कहा, सरकार और पुलिस के संज्ञान में ये मामले हैं। पुलिस लगातार वहां पर काम कर रही है और कई गिरफ्तारियां कर चुकी है। उन्होंने कहा कि उनके पास ऐसी कई शिकायतें आई हैं। कलियर के रहने वाले भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष ने भी उन्हें जानकारी दी। शादाब ने दावा किया कि अवैध कामों से क्षेत्र के लोग आजिज आ चुके हैं। कई लोग तो इन अवैध गतिविधियों के चलते घर छोड़ने को विवश हैं। शादाब ने कहा कि कलियर क्षेत्र में बहुत अच्छे लोग भी रहते हैं, उनको साथ लेकर इस गंदगी को साफ करने का काम किया जाएगा।

ओपी राजभर की सुभासपा में भगदड़, इस्तीफे बने मुसीबत

» अब किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सहित कई पदाधिकारियों का इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर को समाजवादी पार्टी गठबंधन से अलग होने के बाद उनकी अपनी पार्टी के पदाधिकारी एक के बाद एक झटके दे रहे हैं। सोमवार को एक बार फिर कई पदाधिकारियों ने एक साथ सामूहिक इस्तीफा दे दिया। ऐसा करते वक्त उन्होंने राजभर पर पार्टी की मूल नीतियों से भटक जाने का आरोप भी लगाया।

इस्तीफा देने वालों में सुभासपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मास्टर राधेश्याम सिंह, कुशीनगर के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर, जिला प्रभारी बृजेश सिंह, जिला सचिव संजय राजभर सहित कई वरिष्ठ पार्टी नेता शामिल रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी अपने मूल कर्तव्यों को भूल कर दोहरी नीतियों पर कार्य कर रही है। मास्टर राधेश्याम सिंह की अगुवाई में सभी पदाधिकारियों ने सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर को पार्टी के सभी पदों और सदस्यता से अपना इस्तीफा भेजा। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी का गठन गरीबों, दबे कुचले और समाज के उत्थान के लिये किया गया था

इन्होंने भी दिया इस्तीफा

जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर, जिला प्रभारी बृजेश सिंह, जिला सचिव संजय राजभर, सुरेंद्र राजभर, बालेश्वर राजभर, राजकुमार सिंह, प्रिंस राजभर, सुजीत राजभर, विनोद सिंह, मुद्रिका राजभर, गुड्डू राजभर, वीरेंद्र गौंड़, रामायण राजभर, फारुख आलम, अरविंद राजभर आदि पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल रहे।

लेकिन पार्टी की दोहरी नीतियों से कार्यकर्ता आहत हो गये हैं। उन्होंने कहा कि मिशन से भटक चुके नेताओं के चलते पार्टी कार्यकर्ताओं का विश्वास डगमगाने लगा है। कार्यकर्ताओं के डगमगा रहे विश्वास को संभालने की बजाय नेता अपने हिसाब से निर्णय लेते रहते हैं। नतीजा यह हुआ की पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं का विश्वास पूरी तरह से डिग गया है। वे खुद को ठगा महसूस करने लगे हैं। राजभर की पार्टी को इस्तीफा देने वालों का यही कहना है कि राजभर अपने आगे किसी की बात नहीं सुनते हैं।

मैनपुरी में सपा दफ्तर पर अब प्रशासन का कब्जा

» पार्टी ने जताया विरोध, हाईकोर्ट में याचिका दायर, सुनवाई कल होगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी में देवी रोड स्थित समाजवादी पार्टी के शहर कार्यालय को जिला पंचायत ने प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस की मौजूदगी में खाली करा दिया। विरोध की आशंका के चलते कार्रवाई के दौरान पुलिस और पीएसी के जवान मौजूद रहे। भवन को जिला पंचायत ने अपने कब्जे में ले लिया है। उधर सपा कार्यालय को खाली कराने के मामले में पार्टी ने उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ में याचिका दायर की है।

जिला पंचायत की देवी रोड स्थित बोर्डिंग हाउस नार्मल स्कूल जमीन पर बने दो कक्षों का आवंटन समाजवादी पार्टी को कार्यालय के लिए किया गया था। इसे जिला पंचायत ने आपत्तियों की सुनवाई के बाद आठ सितंबर को निरस्त कर दिया था। जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी ओपी सिंह ने नौ सितंबर को समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष को दो दिन में भवन खाली कराने का नोटिस दिया था। सोमवार की शाम तक जब कार्यालय खाली नहीं हुआ तो अधिकारी पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी ओपी सिंह, एसडीएम सदर नवोदिता शर्मा, सीओ सिटी संतोष कुमार सिंह, इंस्पेक्टर कोतवाली विक्रम सिंह ने पुलिस और पीएसी की मौजूदगी में सपा नगर कार्यालय को खाली कराया। सपा कार्यालय खाली कराने के बाद जिला पंचायत ने भवन को अपने कब्जे में लेकर आनन फानन उसकी पुताई करा दी। अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत ओपी सिंह ने बताया कि जिला पंचायत द्वारा आवंटन निरस्त करने के बाद सोमवार की शाम प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में सपा का नगर कार्यालय खाली करा दिया गया है। जमीन पर कब्जा लेने के बाद शहर के बीच स्थित जिला पंचायत की बेशकीमती जमीन का जिला पंचायत योजना बनाकर उपयोग करेगी।

शहर को चमकाने के लिए 35 करोड़ खर्च करेगा एलडीए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) चंद माह में शहर का कायाकल्प करने में 35 करोड़ रुपये खर्च करेगा। इसकी रूपरेखा तैयार कर ली गई है। अफसरों के मुताबिक अलग-अलग जोन में अभियंताओं द्वारा तैयार की गई सूची के हिसाब से काम कराए जाएंगे। यही नहीं जहां ज्यादा जरूरी होगा, उसे प्राथमिकता पर कराया जाएगा। इसके लिए रूपरेखा बना ली गई है।

वहीं बरसात में जल निकास की समस्या, जिन क्षेत्रों में है, उसे चरणबद्ध तरीके से कराया जाएगा। करीब 20 करोड़ इस प्रोजेक्ट पर खर्च किए जाएंगे। इसमें गोमती नगर विस्तार, जानकीपुरम विस्तार कालोनी सहित वीआइपी क्षेत्र भी हैं। अभियंताओं ने बताया कि जलभराव के कारण सड़कें खराब हो रही हैं और आवंटियों के घरों में पानी घुस रहा है। यही कारण है कि इस काम के लिए बजट का अधिक प्राविधान रखा गया है। वहीं शहर के सुन्दरीकरण कार्य पर करीब पांच करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके लिए प्रजेंटेशन जैसे कार्य लविप्रा उपाध्यक्ष के समक्ष पहले ही हो चुके हैं। मिशन कायाकल्प के अंतर्गत प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों पर पांच करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

ममता सरकार को राहत

दुर्गा पूजा समितियों को अनुदान देने की मंजूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने ममता बनर्जी सरकार को बड़ी राहत देते हुए दुर्गा पूजा समितियों पूजा अनुदान के वितरण की अनुमति दे दी है। बंगाल में दुर्गा पूजा समितियों को वित्तीय अनुदान देने संबंधी ममता सरकार के फैसले के खिलाफ दायर की गई जनहित याचिकाओं पर कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 8 सितंबर को ही सुनवाई पूरी कर ली थी, लेकिन फैसला सुरक्षित रख लिया था।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और राजर्षि भारद्वाज की खंडपीठ अनुदान राशि का उपयोग कैसे किया जा सकता है, इसको लेकर छह सूत्रीय सख्त दिशा निर्देश भी जारी किए हैं। ममता बनर्जी ने इस साल राज्य की 43,000 दुर्गा पूजा समितियों को 60,000 रुपये का अनुदान देने की घोषणा की थी। बता दें कि कोलकाता की प्रतिष्ठित दुर्गा पूजा को यूनेस्को ने अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया है। कलकत्ता हाई कोर्ट में तीन जनहित याचिकाएं दाखिल कर पूछा गया था कि राज्य की 43000 दुर्गा पूजा समितियों को 60,000 रुपये का सरकारी अनुदान क्यों दिया जा रहा है? याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया था कि राज्य सरकार अपने कर्मचारियों को महंगाई भत्ता नहीं दे पा रही है, लेकिन 43000 पूजा समितियों को 60,000 रुपये का वित्तीय अनुदान देने के लिए उसके पास पैसा है। कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश प्रकाश श्रीवास्तव की खंडपीठ ने 29 अगस्त को सुनवाई करते हुए कहा था कि राज्य सरकार 5 सितंबर तक पूजा समितियों को अनुदान देने का कारण बताए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।